आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 251 | उज्जैन, गुरुवार 31 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखें और जान-माल के बचाव को दें प्राथमिकता-मख्यमंत्री डॉ. यादव

श्रावण मास और त्यौहारों पर करें अग्रिम व्यवस्थाएं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिए कलेक्टर्स को निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी जिलों में अतिवर्षा की स्थिति पर नजर रखी जाए। कलेक्टर एवं प्रशासनिक तथा पुलिस अमला अधिक वर्षा की स्थिति में आपदा की हालत उत्पन्न होने के पूर्व नागरिकों के बचाव के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें। संवेदनशील और सजग होकर प्रभावित नागरिकों की सहायता की जाए। पशु हानि और मकानों की क्षति पर भी प्रावधानुसार अविलम्ब मदद पहुंचाएं। इन कार्यों को सभी कलेक्टर्स प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार की शाम समत्व भवन मुख्यमंत्री

निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को निर्देशित कर रहे थे।

श्रावण मास और त्यौहारों पर करें अग्रिम व्यवस्थाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रावण मास में मंदिर परिसर भी सुविधायुक्त बनाएं, जिससे श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। आगामी 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 14 अगस्त को बलराम जयंती, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी पर होने वाले महत्वपूर्ण पर्वों के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं अग्रिम रूप से की जाएं।

दुर्घटनाग्रस्त लोगों के उपचार और सहायता के प्रति रहें सजग-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, एयर एम्बुलेंस सेवा के समुचित उपयोग और आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को उपचार उपलब्ध करवाने के लिए पंजीकृत अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटनाओं की स्थिति में गंभीर घायल व्यक्ति के गोल्डनअवर में उपचार को सुनिश्चित करने के लिए जिला स्तर पर अस्पतालों के निर्धारण से जुड़ी प्रक्रिया भी पूरी की जाए। राहवीर योजना में सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को तत्परता से अस्पताल ले जाने वाले सहयोगी नागरिक को 25 हजार रुपए की राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि योजना क्रियान्वयन के प्रति भी जिला कलेक्टर सजग रहें।

टिकट कंफर्म न होने से 3.27 करोड़ नहीं कर पाए ट्रेन का सफर, भारतीय रेलवे पर आई चौंकाने वाली रिपोर्ट

बिना कन्फर्म टिकट के यात्रा करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

RTI के अनुसार, 2024-25 में ट्रेन की टिकट बुक करने वाले 3.27 करोड़ यात्रियों ने फाइनल चार्ट बनने के बाद पाया कि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हुआ है। इससे पता चलता है कि ट्रेन की सीटों और यात्रियों की संख्या में एक बड़ा अंतर है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्कों में से एक भारतीय रेलवे में हर दिन करोड़ों यात्री सफर करते हैं। खासकर मेल, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट काफी लंबी होती है। वहीं, पिछले साल 3.27 करोड़ लोगों ने ट्रेन का टिकट तो ले लिया, लेकिन यात्रा के दौरान उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो सका।

मध्य प्रदेश के नीमच से RTI कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौर ने यह आंकड़े सामने रखे हैं, जो काफी चिंताजनक हैं। पिछले 5 साल में

लगातार बढ़ रही है संख्या- आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 में लगभग 3 करोड़ लोग टिकट कन्फर्म न होने की वजह से यात्रा नहीं पाए थे। वहीं, 2022-23 में यह आंकड़ा 2.72 करोड़ और 2021 में 1.65 करोड़ था। जाहिर है, ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट दिन-ब-दिन लंबी होती जा रही है।

कान खोलकर सुन लें, मोदी-ट्रंप की नहीं हुई बात; राज्यसभा में किस पर भड़के जयशंकर?

के बीच सीजफायर समझौता कराया है, हालांकि भारत सरकार इन आरोपों से इनकार करती रही है।

राज्यसभा में ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग इतिहास से घबराते हैं। उन्होंने यह तंज सिंधु जल संधि को लेकर कसा, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद स्थगित कर दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष कई बार सरकार पर आरोप लगाता रहा है कि ट्रंप ने भारत-पाक

ने कहा, ÷मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक, एक भी फोन राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में नहीं हुआ।

जयशंकर ने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा, कुछ लोग इतिहास को भूल जाना चाहते हैं। शायद यह उन्हें सूट नहीं करता। वे सिर्फ वही बातें याद रखना चाहते हैं जो उनके मन को भाए।

ISRO-NASA ने पहली बार मिलकर बनाया ऐसा Satellite, जो पूरी धरती पर रखेगा नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार सैटेलाइट अभी कुछ ही देर में लॉन्च किया जाएगा। जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट सैटेलाइट को लेकर शाम 5ः40 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा और सैटेलाइट को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित करेगा।

निसार सैटेलाइट नासा और इसरो का संयुक्त मिशन है। दोनों स्पेस एजेंसियों ने साथ मिलकर इसे विकसित किया है। यह पूरी धरती पर नजर रखेगा। हालांकि, इसरो ने पहले भी रिसोर्ससैट और रीसैट सहित पृथ्वी पर नजर रखने वाले सैटेलाइट लॉन्च किए हैं, लेकिन ये सैटेलाइट केवल भारतीय क्षेत्र की निगरानी करने तक ही सीमित थे।

निसार क्या है और क्यों खास है- नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार दुनिया का पहला रडार सैटेलाइट है, जो अंतरिक्ष से पृथ्वी को व्यवस्थित तरीके से मैप करेगा। इतना ही नहीं, यह पहला ऐसा सैटेलाइट है, जो दोहरे रडार बैंड (एल-बैंड और एस-बैंड) का यूज करता है ताकि यह अलग-अलग तरह की पर्यावरणीय और भूवैज्ञानिक परिस्थितियों की निगरानी कर सकता है।

अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद यह सैटेलाइट निम्न पृथ्वी कक्षा में चक्कर लगाएगा। निसार तीन साल तक अंतरिक्ष में रहकर पृथ्वी की निगरानी करेगा।

4 आतंकी, 5 इंस्टाग्राम अकाउंट और जिहाद फैलाने की साजिश...

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। देश की अलग-अलग जगहों पर ऑपरेट कर रहे आतंकी संगठनों से जुड़े एजेंट्स पर तेजी से शिकंजा कसा जा रहा है। तीन आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। गुजरात ATS ने बेंगलुरु से एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसका संबंध खूंखार आतंकी संगठन अल कायदा से बताया जा रहा है।

महिला का नाम शमा परवीन है, जिसकी उम्र 30 साल है। गुजरात ATS ने खुफिया जानकारी के आधार पर शमा को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया है।

कैसे हुई गिरफ्तारी- गुजरात ATS के DIG सुनील जोशी ने इसकी जानकारी दी है। उनके अनुसार, शमा परवीन भारत में अल कायदा की मास्टरमाइंड थी। वो बेंगलुरु से ऑपरेट कर रही थी। पिछले हफ्ते पुलिस ने अल कायदा के ही 3 आतंकियों को पकड़ा था। उनसे पूछताछ के दौरान पुलिस को शमा परवीन के बारे में पता चला और पुलिस ने बेंगलुरु में ही उसे धर दबोचा।

शमा ने कबूला गुनाह- गुजरात ATS की पूछताछ में शमा परवीन ने देश के खिलाफ साजिश रचने की बात कबूल की है। शमा ने माना है कि वो सोशल मीडिया पर जिहादी कंटेंट फैलाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही थी। पुलिस को शमा के पास डिजिटल डेटा के रूप में बड़े सबूत भी हाथ लगे हैं।

हिमाचल में बारिश से हाहाकार, राजस्थान में बाढ़ के हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून की एंट्री के बाद देश के कई राज्यों में मूसलाधार बारिश हो रही है। पहाड़ों के बाद मैदानी इलाकों में भी कई जगह बाढ़ के हालात बन गए हैं। खासकर यूपी-बिहार में नदियां पूरे उफान पर हैं। मौसम विभाग ने आज भी कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

पूर्वी राजस्थान में 2 दिनों का रेड अलर्ट जारी हुआ था। आज भी बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर समेत 6 जिलों में तेज से बहुत तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। तेज बरसात के कारण सवाई माधोपुर में सड़कें तालाब बन चुकी हैं।

बांधों की गाद तक नहीं हटा सकता था भारत, मानी पाक की शर्त; नेहरू की गलती बता मोदी ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में सिंधु जल संधि को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के फैसले पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस संधि को भारत के हितों के खिलाफ और देश के किसानों के लिए हानिकारक करार दिया। पीएम मोदी ने कहा कि 1960 में नेहरू द्वारा साइन की गई इस संधि में एक ऐसी शर्त शामिल थी, जिसके तहत भारत को अपने बांधों की डिसिल्टिंग यानी गाद हटाने तक से से रोका गया था। इसके अलावा, एक बांध के गेट को वेल्डिंग करके बंद कर दिया गया ताकि इसे गलती से भी न खोला जा सके।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर 19 घंटे की बहस में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷सिंधु जल संधि नेहरू की सबसे बड़ी भूल थी। इस संधि ने भारत के 80त्न जल को पाकिस्तान को दे दिया, जबकि भारत जैसे विशाल देश को मात्र 20त्न जल मिला। यह कैसी कूटनीति थी?÷

उन्होंने बताया कि नेहरू ने बाद में इस फैसले पर पछतावा जताया था और इसे सुधारने की बात कही थी, लेकिन बाद की कांग्रेस सरकारों ने इस गलती को सुधारने की कोई कोशिश नहीं की।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के हितों को ''गिरवी'' रख देना कांग्रेस की पुरानी आदत है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण सिंधु जल समझौता है, जो नेहरू जी ने पाकिस्तान के साथ किया था। उन्होंने कहा, ''सिंधु जल समझौता, भारत की अस्मिता और स्वाभिमान के साथ किया गया बहुत बड़ा धोखा था। देश के एक बहुत बड़े हिस्से को जल संकट में धकेल दिया गया।''

मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इस समझौते के कारण देश बहुत पिछड़ गया, ''हमारे किसानों को खेती का नुकसान हुआ। नेहरू जी तो उस 'डिप्लोमेसी' को जानते थे, जिसमें किसान का कोई वजूद नहीं था।'' पीएम मोदी ने बताया कि संधि में शामिल एक शर्त के तहत भारत को अपने बांधों से गाद हटाने की अनुमति नहीं थी। उन्होंने कहा, ÷जब भी कोई बांध बनता है, उसमें गाद हटाने की व्यवस्था होती है, क्योंकि गाद से बांध की क्षमता कम होती है। लेकिन पाकिस्तान के कहने पर नेहरू ने यह शर्त मान ली कि भारत अपने बांधों की डिसिल्टिंग नहीं करेगा। एक बांध का गेट तो वेल्ड कर दिया गया ताकि उसे गलती से भी न खोला जा सके।

रूस में आया भूकंप तो अमेरिका ने अपने देश में क्यों भेजा दिया अलर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रुस के तट पर आए शक्तिशाली भूकंप की वजह से अलास्का, हवाई और अमेरिका के पश्चिमी तट समेत प्रशांत महासागर के एक बड़े हिस्से के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वे के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 8.8 दर्ज की गई और इसका केंद्र कमचटका प्रायद्वीप के तट पर था। यह भूकंप स्थानीय समय के मुताबिक, बुधवार तड़के आया। उस समय अमेरिका में मंगलवार का दिन था।

सुनामी और उसकी चेतावनी के बारे में जानिए- सुनामी तब आती है जब भूकंप, पानी के नीचे ज्वालामुखी विस्फोट और पानी के नीचे भूस्खलन से लहरें उत्पन्न होती हैं। पानी के नीचे भूकंप आने के बाद समुद्र तल ऊपर नीचे होता है, जिसकी वजह से पानी पानी भी ऊपर नीचे होने लगता है। इससे उतपन्न ऊर्जा समुद्र के पानी को धकेलती है, जो लहरों में बदल जाती है।

बहुत से लोग सुनामी को एक लहर समझते हैं लेकिन आमतौर पर ये कई लहरें होती हैं जो तेजी से बढ़ते ज्वार की तरह किनारे की ओर आती हैं। कुछ सुनामी छोटी होती हैं और नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। तो वहीं कुछ सुनामी भारी तबाही लेकर आती हैं।

हवाई और अलास्का में भेजा गया अलर्ट- 2004 में इंडोनेशिया के तट पर 9.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे उठी लहरों ने दक्षिण-पूर्व और दक्षिण एशिया में हिंद महासागर के किनारे दूरदराज के गावों, बंदरगाहों और पर्यटन स्थलों को तहस-नहस कर दिया था। इसमें लगभग 2 लाख 30 हजार लोग मारे गए थे।

हवाई में आपकतकालीन अधिकारी लोगों के मोबाइल फोन, टीवी और रेडियो पर अलर्ट भेजते हैं और सायरन भी बजाते हैं। अलास्का में भी कुछ जगहों पर सायरन बजते हैं और मौसम संबंधी रेडियो या सार्वजनिक रेडियो प्रसारणों पर भी जानकारी दी जाती है। सोशल मीडिया और मोबाइल फोन पर आधिकारिक अकाउंट्स के जरिए इस बारे में जानकारी फैलाई जा रही है। कुछ जगहों पर, स्थानीय अधिकारियों ने घर-घर जाकर चेतावनियां पहुंचाई हैं।

इसके अलावा, इस महीने की शुरुआत में अलास्का के अल्यूशियन द्वीप समूह के पास एक और भूकंप के बाद किंग कोव और उनालास्का में सार्वजनिक सुरक्षा विभागों ने अलर्ट भेजकर तटीय क्षेत्रों में रहने वालों या जहां पर बाढ़ आने की आशंका है, वहां पर रहने वालों को ऊंची जगहों पर जाने का आग्रह किया गया है।

जापान पर 2011 में बरपा था कुदरत का कहर, 40 मीटर ऊंची लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट में मचाइ थी तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में बुधवार तड़के 8.8 तीव्रता का भीषण भूकंप आया। इस शक्तिशाली भूकंप के बाद कई देशों में सुनामी का खतरा मंडराने लगा है। कई तटीय इलाकों में तेज लहरे भी देखी गईं।

सुनामी की लहरें कुरील द्वीपों के सेवेरो-कुरील्स्क तक पहुंचीं। लहरों से समुद्र का पानी चार मीटर तक ऊंचा उठ गया। जापान की मौसम एजेंसी ने होक्काइडो के नेमुरो में 30 सेंटीमीटर की लहर रिकॉर्ड की।

अलास्का, हवाई, चिली, न्यूजीलैंड, सोलोमन द्वीप और इक्काडोर तक के लिए चेतावनी जारी की गई, जहां तीन मीटर तक की लहरों का खतरा था। भूकंप का केंद्र पेट्रोपावलोव्स्क-कामचट्स्की शहर से 119 किलोमीटर दूर था, जहां 1,80,000 लोग रहते हैं।

11 मार्च 2011 को जापान के होन्शू द्वीप के उत्तर-पूर्वी तट पर समुद्र के नीचे 9.1 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके आधे घंटे के भीतर एक विशाल सुनामी ने शहर में खूब तबाही मचाई। यह भूकंप जापान ट्रेंच के पास आया था। इस जगह प्रशांत प्लेट ओखोत्स्क माइक्रोप्लेट के नीचे धंस रही थी।

यह टूटन करीब 300 किलोमीटर लंबी और 150 किलोमीटर चौड़ी थी। इस वजह से समुद्र तल करीब 50 मीटर तक ऊपर उठ गया था। यह जापान का अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप था और 1900 के बाद दुनिया का चौथा सबसे बड़ा भूकंप था।

इसके झटके पूरे जापान में महसूस हुए और रूस, ताइवान और चीन तक इसका असर पहुंचा। सैकड़ों आफ्टरशॉक आए, जिनमें से कुछ 7.0 तीव्रता से ज्यादा के थे।

इजरायल और अमेरिका से क्यों दुश्मनी को तैयार ब्रिटेन, फिलिस्तीन पर रुख कैसे बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिलिस्तीन को लेकर ब्रिटिश के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक अहम ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर इजरायल ने गाजा में युद्धविराम की दिशा में कदम नहीं उठाया तो ब्रिटेन सितंबर में संयुक्त राष्ट महासभा में फलस्तीन को राष्ट के रूप में मान्यता दे देगा। स्टार्मर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से अपने संबोधन में हमास से भी कहा कि वह 7 अक्टूबर को पकड़े गए सभी इजरायली बंधकों को तुरंत रिहा करे। साथ ही युद्धविराम पर तत्काल सहमत हो और हथियार त्यागने के लिए प्रतिबद्ध हो। ब्रिटिश पीएम ने यह भी कहा कि हमास को यह भी स्वीकार करना होगा कि वह गाजा की शासन व्यवस्था में कोई भूमिका नहीं निभाएगा। इस पर नेतन्याहू ने कड़ा ऐतराज जताया है। वहीं, बड़ा सवाल यह भी है कि क्या ब्रिटेन और अमेरिका के रिश्ते सामान्य रह जाएंगे?

वैसे तो ब्रिटेन द्वारा फिलिस्तीन को पहचान देना एक प्रतीकात्मक कदम है। लेकिन इससे इजरायली सरकार को मिर्ची लगेगी। बता दें इजरायल हमेशा यह तर्क देता है कि फिलिस्तीन को पहचान मिलने से हमास को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे यहां पर आतंकवाद की समस्या और बढ़ेगी।

चीन में मूसलाधार बारिश से भीषण तबाही, कई जगह आई बाढ़; 38 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन में मूसलाधार बारिश ने भीषण तबाही मचाई है, जिसमें अब तक 38 लोगों की मौत हो चुकी है। भारी बारिश के कारण 80 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है।

136 गांवों की बिजली ठप- यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। इन 38 मृतकों में से अकेले बीजिंग में 30 लोगों की मौत हुई है, जबकि हेबेई प्रांत में भूस्खलन की चपेट में आने से आठ लोगों की जान चली गई। इलाके में दर्जनों सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और 136 गांवों की बिजली काट दी गई है।

मंगलवार को बारिश की रफ्तार कम होने की वजह से रेड अलर्ट को वापस ले लिया गया है। हालांकि, मौसम विभाग ने दोपहर और शाम के समय फिर से बारिश की संभावना जताई है।

12,800 से अधिक लोग विस्थापित- साथ ही, मेंटौगौ जिले में मंगलवार सुबह 8 बजे तक 15,195 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि यहां के सभी 19 प्रमुख पर्यटक स्थलों को बंद कर दिया गया है।

व्लादिमीर पुतिन के मुकाबले अमेरिका को नहीं जेलेंस्की पर भरोसा, हटाने के लिए सीक्रेट मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ब्रिटेन के अधिकारियों की एक सीक्रेट मीटिंग यूक्रेन के कुछ नेताओं के साथ हुई है। इस मीटिंग में वोलोदिमीर जेलेंस्की को राष्ट्पति पद से हटाने पर बात हुई। रशिया टुडे की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और यूके चाहते हैं कि जेलेंस्की की जगह पर पूर्व सेना प्रमुख वालेरी जालुझिनी को कमान सौंप दी जाए। यह जानकारी रूस की फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस ने दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिमी देशों के अधिकारी ने एक अज्ञात रिजॉर्ट पर जेलेंस्की के करीबी आंद्रे येरमाक और यूक्रेन के खुफिया प्रमुख किरिल बुडानोव के साथ मीटिंग की। इस बैठक में ब्रिटेन में यूक्रेन के राजदूत भी मौजूद थे।

एजेंसी का कहना है कि इस मीटिंग में सभी पक्षों ने सहमति जताई कि वोलोदिमीर जेलेंस्की को राष्टपति पद से हटाने का यह सबसे सही समय है। उन्होंने कहा कि अभी उन्हें हटा देना चाहिए ताकि पश्चिमी देशों के साथ कीव के रिश्तों को बेहतर किया जा सके। इसके अलावा मिलिट्री ऐड पर भी अब नए नेता से ही बात की जाएगी। खबर है कि अमेरिका और ब्रिटेन के नेताओं ने यूक्रेन के अधिकारियों को यह भी बता दिया कि वे पूर्व सैन्य प्रमुख वालेरी जालुझिनी को राष्टपति देखना चाहते हैं। इस पहल का जेलेंस्की के करीबियों ने समर्थन किया। यही नहीं आंद्रे येरमाक और यूक्रेन के खुफिया प्रमुख किरिल बुडानोव ने यह भी कहा कि जालुझिनी के साथ हम करने के लिए तैयार हैं।

इजरायल-हमास युद्ध में अब तक 60 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे गए, भयावह मानवीय संकट, विशेषज्ञों ने दी अकाल की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच 21 महीने से जारी युद्ध में 60 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद से मृतकों की संख्या 60,034 हो गई है तथा 145,870 लोग घायल हुए हैं। उसने यह नहीं बताया कि इन मृतकों में कितने आम नागरिक या आतंकवादी हैं।

मृतकों में करीब आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की- मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में करीब आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है। संयुक्त राष्ट और अन्य स्वतंत्र विशेषज्ञ इसके आंकड़ों को हताहतों की सबसे विश्वसनीय संख्या मानते हैं।

90 प्रतिशत आबादी विस्थापि- इजरायल के आक्रमण ने गाजा के विशाल क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है, लगभग 90 प्रतिशत आबादी को विस्थापित होना पड़ा है और गाजा में भयावह मानवीय संकट पैदा हो गया है, जिसके कारण विशेषज्ञों ने अकाल की चेतावनी दी है।

इस बीच खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्टीय प्राधिकरण ने कहा कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी की सबसे खराब स्थिति उत्पन्न हो रही है और यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है।

गाजा से कुपोषित बच्चों की तस्वीरें सामने आ रहीं- गाजा से कुपोषित बच्चों की तस्वीरें सामने आने और वहां भुखमरी से जुड़ी घटनाओं की खबरों के बीच इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन ने मंगलवार को यह बयान दिया है।

इजरायल की बढ़ रही मुश्किल, फिलिस्तीन के लिए 14 देशों ने बना ली यूनियन; फ्रांस भी साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में हमास से लड़ रहे इजरायल को यूरोपीय देशों से करारा झटका लगता दिख रहा है। ब्रिटेन और फ्रांस की ओर से फिलिस्तीन को मान्यता दिए जाने वाले बयानों के बीच अब 14 देशों के गुट ने इजरायल के खिलाफ मोर्चा खोला है। एंडोरा, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फिनलैंड, फ्रांस, आइसलैंड, आयरलैंड, लग्जमबर्ग, माल्टा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, सान मारिनो, स्लोवेनिया और स्पेन ने मोर्चा खोल दिया है। इन देशों की ओर से कहा गया है कि यदि गाजा में इजरायल की ओर से हमले नहीं रोके गए तो फिर फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। ऐसा प्रस्ताव सितंबर में होने वाली संयुक्त राष्ट महासभा में रखा जाएगा।

इन देशों के विदेश मंत्रियों की ओर से साझा बयान जारी किया गया है। इसे फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरट ने एकर्स अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने कहा कि हम इस सूची में शामिल होने के लिए अन्य देशों को भी आमंत्रित कर सकते हैं। इस तरह माना जा रहा है कि इजरायल के खिलाफ एकजुट होने वाले देशों की संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है।

उन्होंने जो लेटर शेयर किया है। उसमें लिखा गया है, हम 7 अक्तूबर, 2023 के हमले की निंदा करते हैं। हमास को तुरंत उन बंधकों को रिहा कर देना चाहिए, जो अब तक उसकी कैद में हैं। इसके साथ ही हम इजरायल और फिलिस्तीन के बीच टू-नेशन सॉलूशन की बात कर रहे हैं।

CJI कोई पोस्ट ऑफिस नहीं, जस्टिस वर्मा मामले में कपिल सिब्बल की दलील पर SC नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की ओर से दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। उनपर नकदी बरामदगी विवाद के बाद महाभियोग का खतरा मंडरा रहा है।

जस्टिस वर्मा ने तीन सदस्यीय आंतरिक जांच समिति के निष्कर्षों को चुनौती दी है। इस समिति ने संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत उन्हें हटाने की सिफारिश की थी।

जज की बर्खास्तगी की सिफारिश करना गैर-कानूनी- अपनी रिट याचिका में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश जस्टिस वर्मा ने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेजे गए उस पत्र को रद करने की मांग की थी, जिसमें आंतरिक समिति के निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई की सिफारिश की गई थी।

जस्टिस वर्मा की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जोरदार दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि इन-हाउस कमेटी का जज की बर्खास्तगी की सिफारिश करना गैर-कानूनी है।

सिब्बल ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 124 और जजेज (इंक्वायरी) एक्ट के तहत ही इम्पीचमेंट की प्रक्रिया हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की सिफारिश खतरनाक मिसाल कायम कर सकती है।

जस्टिस दीपंकर दत्ता और जस्टिस ए.जी. मसीह की बेंच ने जस्टिस वर्मा के रवैये पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा, आपने कमेटी की कार्यवाही में हिस्सा लिया, फिर अब उसकी सिफारिश को क्यों चुनौती दे रहे हैं? आपने पहले क्यों नहीं कोर्ट का दरवाजा खटखटाया?

इन्हें बर्बाद मत करो..., MNS कार्यकर्ता ने गेमिंग जोन के कर्मचारी को मारा थप्पड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना पिछले कुछ दिनों से गलत वजहों को लेकर सुर्खियों में है। मराठी न बोलने पर MNS के कार्यकर्ता सड़कों पर सरेआम गुंडागर्दी करते नजर आते हैं। वहीं, एक बार फिर MNS नेता ने गेमिंग जोन के कर्मचारी को थप्पड़ जड़ दिया, लेकिन इस बार थप्पड़ मारने की वजह मराठी नहीं थी। यह मामला मुंबई से 57 किलोमीटर दूर ठाणे के कल्याण का है। यहां एक गेमिंग जोन में कुछ बच्चे स्कूल की ड्रेस में खेल रहे थे। तभी MNS के जिला अध्यक्ष उल्हास भोईर वहां आ धमके।

उल्हास का कहना था कि यह बच्चे माता-पिता के पैसे चुराकर और स्कूल बंक करके गेमिंग जोन में मजे करने आते हैं। ऐसे में उन्होंने एक कर्मचारी को बुलाया और कहा, ÷यह बच्चे स्कूल की ड्रेस में यहां आते हैं। इसके लिए वो घर से पैसे लेते हैं, लेकिन स्कूल जाने की बजाए यहां आ जाते हैं। क्या यह गलत नहीं है?

कर्मचारी को जड़ा थप्पड़- उल्हास की बात पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्मचारी कहता है कि, अब मैं इसमें क्या कर सकता हूं? इतना सुनते ही उल्हास का गुस्सा भड़क जाता है और वो कर्मचारी को जोरदार थप्पड़ जड़ देते हैं।

लश्कर की मदद के बिना पहलगाम आतंकी हमला संभव नहीं था, UNSC की रिपोर्ट में फिर खुली पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले की गूंज अब संयुक्त राष्ट्र तक पहुंच चुकी है। NSC की सेंक्शन्स मॉनिटरिंग टीम ने अपनी ताजा 36वीं रिपोर्ट में खुलासा किया है कि द रेजिस्टेंस फ्रंट ने इस हमले की जिम्मेदारी दो बार ली थी और हमले की जगह की तस्वीर भी जारी की थी।

इस हमले में 26 मासूम नागरिकों की जान गई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यह हमला पाकिस्तान से आतंकी ऑपरेशन संचालित करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के समर्थन के बिना मुमकिन नहीं था।

22 अप्रैल को हुए इस हमले में पांच आतंकियों ने पहलगाम के एक टूरिस्ट स्पॉट को निशाना बनाया। ञ्ञ्ञ ने उसी दिन हमले की जिम्मेदारी ली और हमले की जगह की तस्वीर भी दुनिया के सामने लाई।

लेकिन हैरानी की बात यह है कि 26 अप्रैल को TRF अपनी जिम्मेदारी से मुकर गया। इसके बाद न तो TRF ने कुछ कहा और न ही किसी और आतंकी संगठन ने इस हमले का दावा किया।

रिपोर्ट में एक सदस्य देश ने दावा किया कि पहलगाम हमला LeT के समर्थन के बिना हो ही नहीं सकता था। एक अन्य देश ने तो यह तक कहा कि TRF और LeT एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

कारगिल युद्ध में देश के लिए लड़ा और अब नागरिकता का सबूत मांग रहे हैं, पुणे में पूर्व सैनिक ने पुलिस पर लगाए आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कारगिल युद्ध लड़ने वाले रिटायर जवान के घर पर कुछ लोगों ने अचानक धावा बोल दिया। उनके परिवार का दावा है कि शनिवार की देर रात 30-40 लोग पुलिस के साथ घर पर आ धमके और नागरिकता का प्रमाण दिखाने का दबाव बनाने लगे।

पुणे के रहने वाले हकीमुद्दीन शेख सेना के रिटायर सैनिक हैं, जिन्होंने कारगिल युद्ध में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। हालांकि, मंगलवार की रात कुछ लोग उनके घर आए और नागरिकता का सबूत मांगने लगे।

पुलिस थाने ले गई- हकीमुद्दीन के परिवार का कहना है कि पुणे के चंदन नगर में उनका घर मौजूद है, जहां देर रात 30-40 लोगों की भीड़ लग गई। उनके साथ पुलिस भी मौजूद थी। पुलिस परिवार के पुरुषों को अपने साथ थाने लेकर गई।

परिवार से सदस्य ने बताया- हमें सुबह 3 बजे तक का समय दिया गया और कहा गया कि अगर हम अपनी नागरिकता का प्रमाण पत्र दिखाने में नाकामयाब रहे तो हमें बांग्लादेशी या रोहिंग्या घोषित कर दिया जाएगा।

पुणे पुलिस ने क्या कहा- पुणे के डीसीपी सोमय मुंडे के अनुसार, ÷पुलिस को इलाके में संदिग्ध अवैध प्रवासी होने की सूचना मिली थी। हमारी टीम ने दस्तावेज मांगे। एक बार जब साफ हो गया कि वो भारतीय हैं, हमने उन्हें जाने दिया। पुलिस किसी तीसरे पक्ष के साथ मौके पर नहीं गई थी। हमारे पास इसका वीडियो भी मौजूद है।

16 साल सेना में रहे- 58 साल के हकीमुद्दीन 16 साल तक भारतीय सेना का हिस्सा रहे हैं। 1984 में वो सेना की 269 इंजीनियर रेजिमेंट में शामिल हुए थे।

पेशी के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी, हजारों आरोपियों की भीड़ देखकर बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैश फॉर जॉब घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई है। इस घोटाले में पूर्व मंत्री वी बालाजी का नाम भी शामिल है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से सभी आरोपियों समेत गवाहों से जुड़ी जानकारी मांगी है।

सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की बेंच, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने मामले पर सुनवाई करते हुए इसे न्यायिक प्रणाली पर पूर्ण धोखाधड़ी करार दिया है। अदालत में हजारों आरोपियों की भीड़ देखकर कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पेशी के लिए क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछे सवाल- मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस कांत ने कहा, ÷हम जानना चाहते हैं कि मंत्री बालाजी के अलावा इम घोटाले में मिडिलमैन या दलाल कौन था? वो कौन अधिकारी थे, जिन्होंने मंत्री का सुझाव माना? सेलेक्शन कमेटी के किन सदस्यों ने मंत्री का साथ दिया? नियुक्ती पत्र जारी करने वाले सरकार के कौन से कर्मचारी इस घोटाले में शामिल हैं? बता दें कि इस मामले में 2000 से ज्यादा लोगों पर नौकरी के बदले रिश्वत देने का आरोप है, जिन्हें सरकार ने अदालत में पेश किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा, 2000 से ज्यादा आरोपी और 500 से ज्यादा गवाहों के साथ यह अब तक का सबसे ज्यादा भीड़ वाला ट्रायल है। इसके लिए कोर्ट रूम पर्याप्त नहीं है। सभी आरोपियों की पेशी के लिए हमें एक क्रिकेट स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी।

राज्य सरकार को लगाई फटकार- सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आप चाहते हैं यह केस पूरी जिंदगी चलता रहे। जिन गरीब लोगों ने नौकरी के लिए मजबूरी में मंत्री और उनके सहयोगियों को रिश्वत दी, उन्हें भी आरोपी बनाकर पेश किया जा रहा है।

असम-बंगाल समेत पूर्वांचल में बदलती डेमोग्राफी टाइम बम की तरह, तमिलनाडु के राज्यपाल ने क्यों कहा ऐसा?

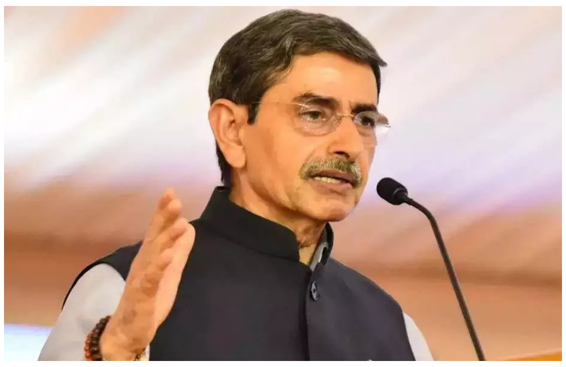

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भाषा पर जंग छिड़ी है। तमिलनाडु भी इन्हीं में से एक है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन केंद्र सरकार पर कई बार हिंदी थोपने का आरोप लगा चुके हैं। हालांकि, इसी कड़ी में अब तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कई राज्यों की बदलती डेमोग्राफी को टाइम बम करार दिया है।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि भाषा के नाम पर कड़वाहट फैलाना भारत की परंपरा नहीं है। असम और बंगाल जैसे राज्यों में डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। इसका हल तलाशने की जरूरत है।

आर एन रवि के अनुसार, इस देश ने हमेशा बाहरी आक्रमणों का मजबूती के जवाब दिया है। मगर, जब अंदरुनी समस्याओं की बात आती है, तो अतीत में क्या हुआ था? 1947 में आंतरिक लड़ाई के कारण ही देश का बंटवारा हुआ। कुछ विचारधाराओं को मानने वाले लोग आज भी हमारे साथ नहीं रहना चाहते हैं और यही विचारधारा फिर से इस देश को तोड़ देगी।

गांधीनगर के राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए तमिलनाडु के राज्यपाल ने कहा- पिछ्ले 30-40 सालों में असम और पश्चिम बंगाल समेत पूर्वांचल (यूपी-बिहार) में डेमोग्राफी तेजी से बदल रही है। क्या किसी को इसकी चिंता है? क्या कोई भविष्यवाणी कर सकता है कि अगले 50 सालों में इन जगहों पर बंटवारे की मुहिम नहीं छिड़ेगी?

डेमोग्राफी पर जताई चिंता- पूर्व IPS अधिकारी रहे आर एन रवि का कहना है, डेमोग्राफी एक संवेदनशील मुद्दा है, जिसपर स्टडी करने की जरूरत है। यह एक टाइम बम की तरह है। हमें सोचना चाहिए कि हम इससे कैसे निपटेंगे? हमें आज से ही इस मुद्दे का हल खोजने की जरूरत है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkush.in
24x7 News portal
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

संपादकीय

सबसे बड़े लोकतंत्र के मानसून सत्र को पूरी दुनियाँ लाइव देख रही है

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 21 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक चल रहे मानसून सत्र को पूरी दुनियाँ लाइव देख रही है जिसमें पिछले कुछ सत्रों की तरह इस सत्र में भी ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप का 29 बार सीजफायर करने का दावा व बिहार वोटर वेरीफिकेशन इत्यादि मुद्दों पर हंगामें की वजह से कामकाज ठप्प पड़ा था। आखिर सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर बहस करने की बात मानी और संसद के दोनों सदनों में 16-16 घंटे की बहस 28-29 जुलाई 2025 को देर रात्रि समाप्त हुई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र दोनों दिन पूरी बहस को टेलीविजन के माध्यम से कवर किया तो पाया के सभी पक्षकारों ने तर्क वितर्क बहुत ही शानदार किया परंतु विशेष रूप से रेखांकित करने वाली बात नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व प्रियंका गांधी तथा पीएम मोदी रहे। जिसमें मैंने महसूस किया कि तीन बातों से मैं और शायद जानता भी संतुष्ट नहीं हुई होगी (1) यह कि ट्रंप की गूंज इस मामले में संसद के दोनों सदनों में हुई जो 29 बार कह चुके हैं कि सीजफायर उन्होंने करवाया है।

(2) मुद्दा कि भारत इतनी आसानी से पाक डीजीएमओ का निवेदन कैसे मान सकता है, जबकि पूरा विपक्ष, सरकार के साथ खड़ा था।और (3) अंतिम बात जब इतनी 32 घंटे की बहसबाजी तर्कवितर्क हुए तो फिर विभिन्न पार्टियों के सांसद 7 डेलिगेशन बनाकर पूरी दुनियाँ में क्या समझाने गए थे। हालांकि विपक्ष के सभी वक्ताओं द्वारा उठाए गए प्रश्नों का जवाब माननीय पीएम ने 29 जुलाई 2025 को अंत में देर रात्रि एक घंटा 22 मिनट का समय लेकर पूरे सवालों के जवाब दिए,फिर भी मेरा मानना है कि यह तीन प्रश्न मेरे और जनता के मन में क्लियर नहीं हुए हैं इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटे की बहस में, पूरी दुनियाँ में घूमें सभी पार्टियों के 7 डेलिगेशन व ट्रंप द्वारा सीजफायर करवाने के 29 बार बयान पर जवाब/खंडन नहीं आया जो रेखांकित करने वाली बात है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 29 जुलाई 2025 को देर रात्रि समाप्त हुए 32 घंटे के ऑपरेशन सिंदूर पर शाब्दिक महासंग्राम में नेता प्रतिपक्ष व अनेक सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों की करें तो,नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पहलगाम में हुआ हमला क्रूर और निर्दयी था,जो पूरी तरह पाक प्रायोजित था। ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से पहले ही विपक्ष ने भारत की सेना और चुनी हुई सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़ा रहने की प्रतिबद्धता जताई थी। हमें गर्व है कि एक विपक्ष के तौर पर हम उस तरह एकजुट रहे जैसा हमें होना चाहिए था। ट्रम्प ने 29 बार कहा है कि हमने सीजफायर करवाया। अगर दम है तो पीएम यहां सदन में यह बोल दें कि वह झूठ बोल रहे हैं।अगर यह झूठ है तो पीएम यहां बोल दें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। पीएम में हिम्मत है तो वो बोल देंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में बहस के दौरान सरकार पर पहलगाम आतंकी हमले पर सवाल खड़े किए। उन्होंने आतंकी हमले की जिम्मेदारी को लेकर कहा कि किसी का इस्तीफा क्यों नहीं हुआ? अपने भाषण में उनका निशाना रक्षा,गृहमंत्री पर था। उन्होंने कहा 2008 में आतंकी हमला हुआ। राज्य के चीफ मिनिस्टर का इस्तीफा हुआ। देश के गृहमंत्री ने इस्तीफा दिया, क्या इस सरकार में किसी काइस्तीफा हुआ ? क्या सेना प्रमुख,क्या इंटेलीजेंस प्रमुख ने इस्तीफा दिया? क्या गृह मंत्री ने इस्तीफा दिया? इस्तीफा छोड़िए, जिम्मेदारी तक नहीं ली? सांसद गौरव गोगोई ने भी सोमवार को लोकसभा में मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि रक्षा मंत्री ने बहुत सारी जानकारी दी लेकिन रक्षामंत्री के रूप में उन्होंने उल्लेख नहीं किया कि कैसे पाक से आतंकवादी पहलगाम पहुंचे और 26 लोगों को मार डाला।गोगोई ने कहा, पूरा देश और विपक्ष पीएम का समर्थन कर रहा था।

तुलसीदास

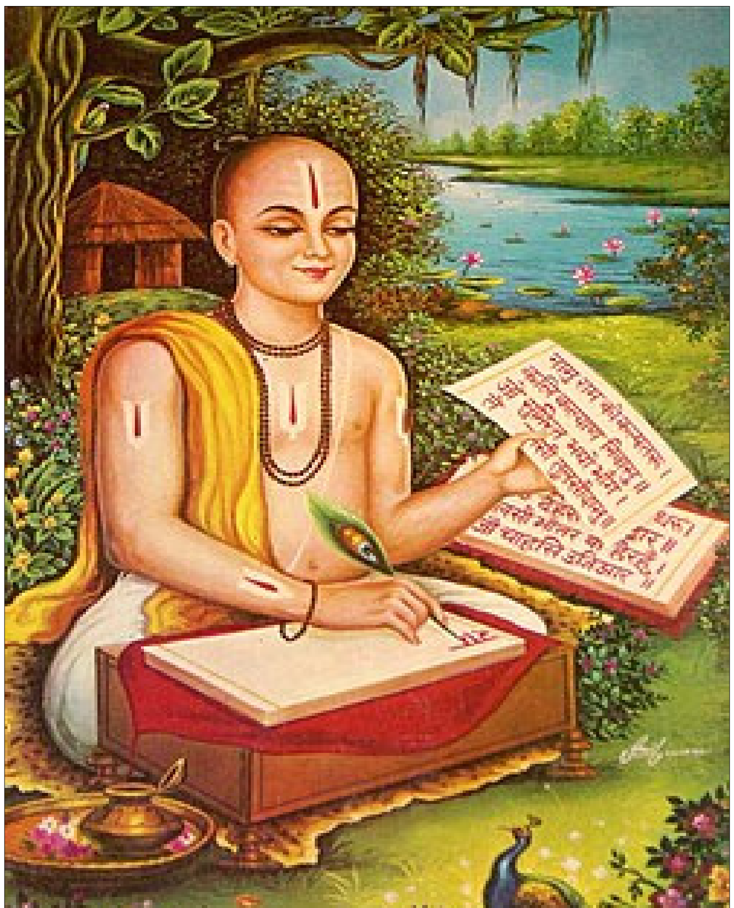

रामबोला दुबे के नाम से प्रसिद्ध; मध्यकालीन हिन्दी साहित्य के महान रामभक्त इव कवि थे। उन्होने रामचरितमानस और हनुमान चालीसा जैसे विश्व प्रसिद्ध ग्रन्थों की रचना की है। इन्हें आदिकाव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी माना जाता है।

श्रीरामचरितमानस का कथानक रामायण से लिया गया है। ब्रजावधी में रचित श्रीरामचरितमानस लोकग्रन्थ है और इसे उत्तर भारत में बड़े भक्तिभाव से पढ़ा जाता है। इसके बाद ब्रजभाषा में रचित विनय पत्रिका उनका एक अन्य महत्त्वपूर्ण काव्य है। महाकाव्य श्रीरामचरितमानस को विश्व के 100 सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय काव्यों में 46वाँ स्थान दिया गया। तुलसीदास जी रामानंद संप्रदाय के अनुयायी थे।

तुलसीदास ने अपना अधिकांश जीवन बनारस (आधुनिक वाराणसी) और अयोध्या शहरों में बिताया। वाराणसी में गंगा पर तुलसी घाट का नाम उनके नाम पर रखा गया है। उन्होंने वाराणसी में संकट मोचन हनुमान मंदिर की स्थापना की, ऐसा माना जाता है कि यह उस स्थान पर है जहाँ उन्होंने देवता के दर्शन किए थे। तुलसीदास ने रामलीला नाटकों की शुरुआत की, जो रामायण का एक लोक-नाट्य रूपांतरण था।

जन्म- तुलसीदास का जन्म हिन्दू कैलेण्डर माह श्रावण (जुलाई-अगस्त) के उज्ज्वल आधे, शुक्ल पक्ष के सातवें दिन सप्तमी (11 अगस्त 1497) उत्तर प्रदेश के सोरों गाँव मे हुआ था। यद्यपि उनके जन्मस्थान के रूप में तीन स्थानों का उल्लेख किया गया है, 2012 में सोरों को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से तुलसी दास का जन्मस्थान घोषित किया गया था। उनके माता-पिता हुलसी और आत्माराम दुबे थे। अधिकांश स्रोत उन्हें भारद्वाज गोत्र (वंश) के सनाढ्य ब्राह्मण के रूप में पहचानते हैं।

तुलसीदास और सर जॉर्ज ग्रियर्सन उनके जन्म का वर्ष विक्रम 1568 (1511 ई) बताते हैं। इन जीवनीकारों में रामकृष्ण गोपाल भंडारकर, रामगुलाम द्विवेदी, जेम्स लोचटेफेल्ड, स्वामी शिवानंद और अन्य शामिल हैं। वर्ष 1497 भारत में और लोकप्रिय संस्कृति में कई वर्तमान जीवनियों में दिखाई देता है। इस वर्ष से असहमत जीवनीकार तर्क देते हैं कि इससे तुलसीदास का जीवनकाल 126 वर्ष के बराबर हो जाता है, जो उनके विचार में असम्भव नहीं तो कम नहीं है। इसके विपरीत, रामचन्द्र शुक्ल कहते हैं कि तुलसीदास जैसे महात्मा (महान् आत्मा) के लिए 126 वर्ष की आयु असम्भव नहीं है। भारत सरकार और प्रांतीय सरकारों ने लोकप्रिय संस्कृति में तुलसीदास के जन्म के वर्ष के अनुसार, वर्ष 2011 ई में तुलसीदास की 500वीं जयन्ती मनाई।

बचपन- किंवदन्ती है कि तुलसीदास का जन्म बारह महीने गर्भ में रहने के पश्चात् हुआ था, जन्म के समय उनके मुँह में सभी बत्तीस दाँत थे, उनका स्वास्थ्य और रूप पाँच वर्ष के लड़के जैसा था, और वह अपने जन्म के समय रोए नहीं बल्कि राम का उच्चारण किया । इसलिए उनका नाम रामबोला (शाब्दिक रूप से, वह जिसने राम का उच्चारण किया) रखा, जैसा कि तुलसीदास स्वयं विनय पत्रिका में बताते हैं। मूल गोसाईं चरित के अनुसार, उनका जन्म अभुक्तमूल नक्षत्र के तहत हुआ था, जो हिन्दू ज्योतिष के अनुसार पिता के जीवन के लिए तत्काल ख़तरा पैदा करता है। उनके जन्म के समय अशुभ घटनाओं के कारण, उन्हें चौथी रात को उनके माता-पिता ने त्याग दिया, अपनी रचनाओं कवितावली और विनय पत्रिका में, तुलसीदास ने अपने माता-पिता द्वारा अशुभ ज्योतिषीय विन्यास के कारण जन्म के बाद उन्हें त्यागने की पुष्टि की है। चुनिया बच्चे को अपने गाँव हरिपुर ले गई और साढ़े पाँच वर्ष तक उसकी देखभाल की, जिसके पश्चात् उसकी मृत्यु हो गई। रामबोला को एक दरिद्र अनाथ के रूप में स्वयं की देखभाल करने के लिए छोड़ दिया गया था, और वह भिक्षा मागते हुए दर-दर भटकता रहा। ऐसा माना जाता है कि देवी पार्वती ने एक ब्राह्मण महिला का रूप धारण किया और रामबोला को हर दिन भोजन कराया। या वैकल्पिक रूप से, अनन्ताचार्य के शिष्य। रामबोला को तुलसीदास के नए नाम के साथ विरक्त दीक्षा (वैरागी दीक्षा) दी गई। तुलसीदास ने विनयपत्रिका के एक अंश में अपने गुरु के साथ पहली मुलाक़ात के दौरान हुए संवाद का वर्णन किया है । जब वे सात साल के थे, तो उनका यज्ञोपवीत (अर्थात् पवित्र धागा समारोह) माघ (जनवरी-फरवरी) के महीने के शुक्ल पक्ष के पाँचवें दिन अयोध्या में नरहरिदास द्वारा किया गया था, जो राम से संबंधित एक तीर्थ स्थल है। तुलसीदास ने अयोध्या में अपनी शिक्षा शुरू की। कुछ समय बाद, नरहरिदास उन्हें एक विशेष वराह क्षेत्र सोरों (वराह को समर्पित मंदिर वाला एक पवित्र स्थान - विष्णु का वराह अवतार) ले गए, जहाँ उन्होंने पहली बार तुलसीदास को रामायण सुनाई। तुलसीदास ने रामचरितमानस में इसका उल्लेख किया है-

अधिकांश लेखक तुलसीदास द्वारा सन्दर्भित वराहक्षेत्र को सूकरक्षेत्र के साथ आधुनिक कासगंज में सोरों वराह क्षेत्र के रूप में पहचानते हैं, तुलसीदास ने रामचरितमानस में आगे उल्लेख किया है कि उनके गुरु ने उन्हें बार-बार रामायण सुनाई, जिससे उन्हें कुछ हद तक समझ में आया।

तुलसीदास बाद में पवित्र शहर वाराणसी आए और गुरु शेष सनातन से 15-16 वर्षों की अवधि में संस्कृत व्याकरण, चार वेद, छः वेदांग, ज्योतिष और हिंदू दर्शन के छह विद्यालयों का अध्ययन किया, जो वाराणसी के पंचगंगा घाट पर स्थित थे। शेष सनातन नरहरिदास के मित्र और साहित्य और दर्शन के प्रसिद्ध विद्वान थे।

विवाह और गृह त्याग- तुलसीदास की वैवाहिक स्थिति के बारे में दो विपरीत विचार हैं। तुलसी प्रकाश और कुछ अन्य कार्यों के अनुसार , तुलसीदास का विवाह विक्रम सम्वत् 1604 (1561 ई।) में कार्तिक माह (अक्तूबर-नवम्बर) के शुक्ल पक्ष की ग्यारहवीं तिथि को रत्नावली से हुआ था। रत्नावली, गोण्डा ज़िले के नारायणपुर गाँव के पराशर गोत्र के ब्राह्मण दीनबन्धु पाठक की पुत्री थीं। उनका तारक नाम का एक पुत्र था, जो बचपन में ही मर गया था। एक बार जब तुलसीदास हनुमान मन्दिर गए थे, रत्नावली अपने भाई के साथ अपने पिता के घर गईं। जब तुलसीदास को यह पता चला, तो वे अपनी पत्नी से मिलने के लिए रात में सरजू नदी तैरकर पार गए। रत्नावली ने इसके लिए तुलसीदास को डांटा, तुलसीदास ने उसे तुरन्त छोड़ दिया और पवित्र शहर प्रयाग के लिए प्रस्थान किया। यहाँ, उन्होंने गृहस्थ अवस्था को त्याग दिया और एक साधु (तपस्वी) बन गए।

कुछ लेखक तुलसीदास के विवाह प्रसंग को बाद में जोड़ा गया मानते हैं और कहते हैं कि वे ब्रह्मचारी थे। इनमें रामभद्राचार्य भी अनुर्भूक्त हैं, जो विनयपत्रिका और हनुमान बाहुक में दो श्लोकों का हवाला देते हैं कि तुलसीदास ने कभी विवाह नहीं किया और बचपन से ही साधु थे।

भगवान श्री राम जी से भेंट- कुछ काल राजापुर रहने के बाद वे पुनः काशी चले गये और वहाँ की जनता को राम-कथा सुनाने लगे। कथा के दौरान उन्हें एक दिन मनुष्य के वेष में एक प्रेत मिला, जिसने उन्हें हनुमान जी का पता बतलाया। हनुमान जी से मिलकर तुलसीदास ने उनसे श्रीरघुनाथजी का दर्शन कराने की प्रार्थना की। हनुमान्जी ने कहा- तुम्हें चित्रकूट में रघुनाथजी दर्शन होंगें। इस पर तुलसीदास जी चित्रकूट की ओर चल पड़े। चित्रकूट पहुँच कर उन्होंने रामघाट पर अपना आसन जमाया। एक दिन वे प्रदक्षिणा करने निकले ही थे कि यकायक मार्ग में उन्हें श्रीराम के दर्शन हुए। उन्होंने देखा कि दो बड़े ही सुन्दर राजकुमार घोड़ों पर सवार होकर धनुष-बाण लिये जा रहे हैं। तुलसीदास उन्हें देखकर आकर्षित तो हुए, परन्तु उन्हें पहचान न सके। तभी पीछे से हनुमान जी ने आकर जब उन्हें सारा भेद बताया तो वे पश्चाताप करने लगे। इस पर हनुमान जी ने उन्हें सात्वना दी और कहा प्रातःकाल फिर दर्शन होंगे।

3 दिन में 45% की तूफानी तेजी, इस शेयर ने निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पावर सेमीकंडक्टर, पावर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और रेलवे परिवहन प्रणालियों की अग्रणी निर्माता कंपनी हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड ने 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के नतीजे जारी कर दिए है। कंपनी के नतीजे बेहद शानदार रहे हैं। नतीजों के बीच इसके शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी देखी गई। 30 जुलाई को इसके शेयरों ने अपना नया ऑल टाइम हाई बनाया। आज इसके शेयर 12 फीसदी की तेजी के साथ 1,915 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। तीन दिनों में इसके शेयरों ने निवेशकों पर पैसों की मोटी बारिश की है।

हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड के शानदार तिमाही नतीजे- बुधवार को इसके शेयरों ने अपना ऑल टाइम हाई बना लिया। आज इसके शेयर 1,945 रुपये के स्तर तक गए। चालू वित्त वर्ष में हिंद रेक्टिफायर्स लिमिटेड की शुद्ध बिक्री 214.77 करोड़ रुपये रही, जो जून 2024 के 135.53 करोड़ रुपये से 58.47% अधिक है। जून 2025 में तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.81 करोड़ रुपये रहा, जो जून 2024 के 6.93 करोड़ रुपये से 84.9% अधिक है।

शेयरों में दिखी तूफानी तेजी- Hind Rectifiers के शेयरों में तूफानी तेजी का दौर जारी है। पिछले 5 दिनों में इसके शेयरों ने निवेशकों की मौज करा दी है। बीते 3 ट्रेडिंग में इसके शेयरों ने 45 फीसदी का मोटा रिटर्न दे दिया है। जिन भी निवेशकों ने इसके शेयरों में निवेश कर रखा है उनको तगड़ा फायदा हुआ है। 28 जुलाई को इसके शेयर 1429 रुपये के स्तर पर बंद हुए। आज यानी बुधवार को इसके शेयर 1900 के पार ट्रेड कर रहे हैं।

इस दिग्गज ने कर रखा है निवेश- बीते 5 साल की बात करें तो इसने 1,669.75त्न का मोटा रिटर्न दिया है। इस कंपनी का मार्केट कैप 3,315.14 करोड़ रुपये है। इस स्मॉल कैप ने अपने निवेशकों को अब तक बेहतर रिटर्न दिया है।

कंपनी में दिग्गज निवेशक मुकुल महावीर अग्रवाल ने भारी भरकम निवेश कर रखा है। उनके पास इस कंपनी के करीब 2.5 लाख शेयर हैं।

झुनझुनवाला फैमिली के पास हैं कंपनी के 10 करोड़ शेयर, खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। झुनझुनवाला परिवार के नेतृत्व वाली स्टार हेल्थ के शेयरों में बुधवार के कारोबार में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कंपनी के शेयर इंट्रा डे में 450.65 रुपये पर आ गए। शेयरों में यह तेजी जून तिमाही के नतीजों के बाद आई है। दरअसल, कंपनी ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 438 करोड़ का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया, जबकि एक साल पहले यह ?304 करोड़ था। इसका गैर-वार्षिक इक्विटी पर रिटर्न 4.9 प्रतिशत रहा, जबकि एक साल पहले यह 3.8 प्रतिशत था। शेयर एनालिस्ट्स ने कहा कि स्टार हेल्थ ने परिचालन प्रदर्शन के अनुरूप प्रदर्शन किया और स्वास्थ्य बीमा कंपनी के दावा रेशियो में साल-दर-साल 200 आधार अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 520 आधार अंकों और वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही और वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 400-400 आधार अंकों की भारी गिरावट की तुलना में अनुकूल है। उन्हें आगे पुनर्रेटिंग की संभावना दिख रही है। जेएम फाइनेंशियल ने कहा, हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही स्वयं कमजोर रही थी और वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही के मुकाबले इसमें 420 आधार अंकों की भारी गिरावट दिख रही है।

क्या फिर कम होगा होम लोन का ब्याज? कितनी हो सकती है कटौती

रिजर्व बैंक और सरकार साथ मिलकर अपनी पॉलिसी के जरिए महंगाई को नियंत्रित करने का काम करती है। रेपो रेट के जरिए रिजर्व बैंक महंगाई पर काबू पाने काम करता है। अगर रेपो रेट में कटौती आती है, तो बैंक का ब्याज दर कम हो जाता है, वहीं अगर इसमें बढ़ोतरी होती है, तो लोन में लेने वाला ब्याज भी बढ़ जाता है।

अब तक तीन बार हुई है कटौती- रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अब तक रेपो रेट में तीन बार कटौती हो चुकी है। सबसे पहले फरवरी, अप्रैल और जून में रेपो रेट में कटौती की गई है। रेपो रेट में अब तक 1 फीसदी तक कटौती हो चुकी है। पहले और दूसरे समय पर रेपो रेट में 0.25 फीसदी और तीसरी बार यानी जून में 0.50 फीसदी कटौती की गई है।

कितनी होगी कटौती, क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स- Krishna Group and Krisumi Corporation के अशोक कपूर का कहना है कि रेपो दर में कुल 100 आधार अंकों की कटौती का लाभ पहले ही मिल चुका है। होम लोन ब्याज दर कम होने से रियल एस्टेट को बूस्ट मिला है। रियल एस्टेट क्षेत्र में उपभोक्ता की मांग बढ़ी है।

उन्होंने आगे कहा कि अगर आरबीआई द्वारा रेपो दर में 25 आधार अंकों की और कटौती होती है, तो इससे अर्थव्यवस्था को समग्र रूप से बढ़ावा मिलेगा और रियल एस्टेट सहित सभी क्षेत्रों में मांग बढ़ेगी।

Bedarwaj Group के सीएमडी सुशील बेदारवाल कहते हैं कि इस साल रिजर्व बैंक द्वारा अब तक 100 आधार अंक की कटौती की जा चुकी है। इससे होम लोन का ब्याज दर और किफायती हुआ और रियल एस्टेट में मांग बढ़ी।

वहीं उन्होंने बताया कि जून में हुई एमपीसी बैठक में आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट रूप से और ढील देने का संकेत दिया है। उन्होंने आगे कहा हमें आगामी समीक्षा में 25 आधार अंकों की और कटौती की उम्मीद है।

महीनेभर में 40% चढ़ा यह शेयर, एक साल में भाव 50 से 300 रुपये के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। एग्रोकेमिकल कंपनी एनएसीएल के शेयरों में पिछले एक महीने में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। इस अवधि में यह शेयर 40 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया है। हैरान करने वाली बात है कि कंपनी लगातार कमजोर आय और सुस्त वैश्विक मांग के कारण दबाव में थी, लेकिन कंपनी के शेयरों में अचानक आई इस तेजी ने निवेशकों की दिलचस्पी को बढ़ा दिया है।

दरअसल, कंपनी में नई जान फूंकने, विस्तार योजना और क्लीयर रोडमैप के लिए जाने जाने वाले एक नए प्रमोटर के आने से निवेशक खुश हैं और जमकर खरीदारी कर रहे हैं।

6 महीने में 350% रिटर्न- NACL के शेयर मल्टीबैगर स्टॉक साबित हुए हैं। इन शेयरों ने पिछले 6 महीनों में 355% रिटर्न दिया है, जबकि 5 साल की अवधि में यह करीब 700 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। 30 जुलाई को इस कंपनी के शेयरों का भाव 307.91 रुपये है, इसमें 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा हुआ है।

क्या है कंपनी का कारोबार- एनएसीएल इंडस्ट्रीज फसल सुरक्षा उत्पादों से जुड़े विभिन्न प्रोडक्ट्स बनाती है, जिसमें कीटनाशक, एकैरीसाइड, शाकनाशी, कवकनाशी और अन्य प्लांट ग्रोथ केमिकल शामिल हैं।

न ओटीपी की झंझट, न पिन डालने की टेंशन; फिंगरप्रिंट और फेस आईडी से होगा पेमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई से पेमेंट करना और भी आसान होने वाला है। अब न ओटीपी का झंझट होगा और न ही पिन डालने की टेंशन। आप फिंगर प्रिंट और फेस आईडी से भी पेमेंट कर पाएंगे।

दरअसल, National Payments Corporation of India (NPCI) बायोमेट्रिक पेमेंट सिस्टम लाने की तैयारी कर रहा है। जिससे लेने-देन पहले से ज्यादा सेफ और स्मार्ट हो जाएगा। लेकिन अब सवाल यह है कि आखिर बायोमैट्रिक पेमेंट सिस्टम है क्या और यह सुविधा कब शुरू होगी?

बायोमेट्रिक पेमेंट सिस्टम है क्या- बायोमेट्रिक पेमेंट सिस्टम में पेमेंट कन्फर्म करने के लिए फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का इस्तेमाल होगा। यह पेमेंट सुविधा पिन या पासवर्ड से ज्यादा सुरक्षित होने के साथ-साथ बेहद आसान भी है। पिन या पासवर्ड को आसानी से चुराया या कॉपी किया जा सकता है।

लेकिन, बायोमेट्रिक पेमेंट में यह खतरा कम है। बायोमेट्रिक पेमेंट सिस्टम ठीक उसी तरह से काम करेगा, जैसे फोन अनलॉक करने के लिए फिंगरप्रिंट या फेस आईडी का यूज करते हैं वैसे ही पेमेंट के लिए कर पाएंगे।

कब तक शुरू होगी सुविधा- NPCI ने फिलहाल इस नए पेमेंट फीचर के लॉन्चिंग डेट को लेकर जानकारी नहीं दी है। हालांकि, वह साफ कर चुका है कि उनका फोकस यूपीआई पेमेंट को पहले से ज्यादा सिक्योर और आसान बनाना है। संभव है कि आने वाले दिनों में यूपीआई में पिन की बजाय बायोमेट्रिक से करने की सुविधा मिल सकती है।

1 अगस्त से होने जा रहे बड़े बदलाव- यूपीआई में एक अगस्त से बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। जिनमें बैलेंस चेक लिमिट, ऑटेपे तय समय पर ही, पेमेंट रिवर्सल में लिमिट, पेमेंट स्टेटस चेक करने में लिमिट और ट्रांजैक्शन हिस्ट्री देखने पर लिमिट जैसे बदलाव शामिल हैं।

नए नियमों के मुताबिक अब ऑटो-पे रिक्वेस्ट सुबह 10 बजे से पहले और दोपहर में 1 बजे से 5 बजे के बीच ही भेजी जाएंगी। इसके साथ ही यूजर्स पूरे दिन में 50 से ज्यादा बार बैलैंस चेक नहीं कर पाएंगे।

यूपीआई से एक दिन में कर सकेंगे 1 लाख से ज्यादा की पेमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में डिजिटल पेमेंट का चलन जितनी तेजी से बढ़ा है, उतनी ही तेजी से लोगों की जरूरतें भी बढ़ रही हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो हर दिन बड़े ट्रांजैक्शन करते हैं। लेकिन यूपीआई की 1 लाख रुपए की डेली लिमिट के चलते उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यूपीआई की डेली लिमिट को बढ़ाया जा सकता है। अगर हां, तो कैसे? और इसे कब बढ़ाया जा सकता है? इसके लिए बैंक और यूपीआई एप्स के क्या नियम हैं? और लिमिट बढ़ाने की सुविधा कौन-कौन देता है?

यूपीआई के जरिए आप एक दिन में अधिकतम 1 लाख रुपए तक ट्रांसफर कर सकते हैं। यह लिमिट बैंकों और यूपीआई ऐप्स, जैसे- भीम, जीपे, फोनपे या पेटीएम पर निर्भर करती है। हालांकि, ज्यादातर एप्स एक लाख रुपए तक की लिमिट देते हैं। लेकिन यह बैंक और यूपीआई पर निर्भर करता है, जिसे बाद में आप बढ़वा सकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

अपनी सैलरी से 146 बच्चों को बांटी यूनिफॉर्म... MP के टीचर ने दिखाई इंसानियत की अनोखी मिसाल

सिहोरा। सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने यह साबित कर दिया कि एक शिक्षक सिर्फ पढ़ाता नहीं, बल्कि समाज को संवारता भी है। एकीकृत शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खितौला बाजार के प्राथमिक विभाग में पदस्थ सहायक शिक्षक जयप्रकाश तिवारी ने अपने वेतन से कक्षा 1 से 5 तक के 146 छात्र-छात्राओं को नई गणवेश (स्कूल यूनिफॉर्म) वितरित की। यह पहल न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव का संदेश भी देती है।

इस पुनीत कार्य के दौरान स्कूल के प्राचार्य जे.एल. खांडे, व्याख्याता अरविंद तिवारी, और शिक्षक एहसानुल अंसारी, बलराम बर्मन सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य खांडे ने कहा, शिक्षक

जयप्रकाश तिवारी की यह पहल सभी के लिए एक प्रेरणा है। उनका यह प्रयास बताता है कि शिक्षक सिर्फ शिक्षा नहीं, संस्कार भी देते हैं।इस नेक कार्य के अंतर्गत लड़कों के लिए पैंट-शर्ट और लड़कियों के लिए स्कर्ट-शर्ट की गणवेश वितरित की गई। स्कूल के शिक्षक, जैसे अरविंद तिवारी, बलराम बर्मन, धनवंती जैसवानी, मंजू दुबे, चंद्रकांता तिवारी, और अंजनी गौतम ने इस कार्य में सहयोग दिया।

पनागर कॉलेज में फ्री वर्कशॉप की शुरुआत-इसी के साथ पनागर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा पांच दिवसीय निश्शुल्क कार्यशाला की शुरुआत की गई, जिसमें फैब्रिक पेंटिंग, क्ले ज्वेलरी, और बैग पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके जैन, प्रशासनिक अधिकारी अवधेश दुबे, और ट्रेनर श्रिया जैन ने किया।

प्राचार्य डॉ. जैन ने विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए कहा, ÷इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम हैं।÷ ट्रेनर श्रिया जैन ने कार्यशाला के बारे में छात्रों को दिशा-निर्देश दिए। डॉ. प्रशांत नामदेव ने संचालन किया और प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. मोनिका मसीह ने आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर डॉ. गायत्री मरावी, डॉ. सीमा पटारिया, डॉ. लोकेन्द्र कुमार बोरकर, डॉ. कमलेश मौर्य, डॉ. अंकिता पाठक, डॉ. वर्षा शर्मा और कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जमीन के बंटवारे के लिए 11 हजार की रिश्वत मांगी, 7 हजार लेते धराया पटवारी

उमरिया। भूमि बंटवारे के लिए फांट वा पुछी बनाने के बदले ग्यारह हजार रूपये की रिश्वत मांगने वाला एक पटवारी और उसका सहयोगी सात हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार हो गया है। गिरफ्तार आरोपितों में भूपेंद्र कुमार सोनी, पटवारी हल्का इंदवार तहसील मानपुर जिला उमरिया और राजकुमार गुप्ता ग्राम अमरपुर तहसील मानपुर जिला उमरिया शामिल है। यह कार्रवाई लोकायुक्त रीवा की टीम ने बुधवार को एक चाय की दुकान पर की है।

यह है पूरा मामला-इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार महेंद्र कुमार द्विवेदी पिता श्री स्व. मदनमोहन द्विवेदी उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम पोस्ट चिल्हारी तहसील मानपुर जिला उमरिया मध्य प्रदेश ने अपनी ग्राम बसहा स्थित भूमि के भूमि के बंटवारे के लिए राजस्व विभाग में आवेदन दिया था जिस पर पटवारी ने काम करने से पहले ही रिश्वत की मांग शुरू कर दी थी। महेन्द्र कुमार द्विवेदी ने इस मामले की शिकायत लोकायुक्त से कर दी और साक्षय भी प्रस्तुत कर दिए।

बताया गया है कि महेंद्र कुमार द्विवेदी की शिकायत का सत्यापन करने के बाद लोकायुक्त की टीम ने सात हजार रूपये लेकर उन्हें पटवारी को देने के लिए भेजा। शिव टी स्टॉल संदीप कॉलोनी अमरपुर जिला उमरिया में जब महेंद्र कुमार द्विवेदी पटवारी और उसके सहयोगी को रूपये दे रहे थे उसी दौरान लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा और पटवारी और उसके सहयोगी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ट्रेप करने वाले दल में अधिकारी प्रवीण सिंह परिहार उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक उपेन्द्र दुबे एवं 12 सदस्यीय टीम शामिल रही।

एमपी में बाढ़ राहत में तेजी, सिंधिया ने एयरलिफ्ट ऑपरेशन के दिए निर्देश, कहा- सभी पीड़ित मेरे परिजन

शिवपुरी। गुना संसदीय क्षेत्र में हालिया अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ स्थिति पर केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा स्थानीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गंभीर संज्ञान लिया है। मंगलवार शाम उन्होंने अशोकनगर, गुना और शिवपुरी जिलों के कलेक्टरों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली जा रही है। शिवपुरी जिले के बदरवास और कोलारस सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में फंसे नागरिकों को निकालने के लिए एयरलिफ्ट ऑपरेशन की तैयारी शुरू हो चुकी है।

सीएम मोहन यादव से स्थिति की जानकारी साझा की बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य केंद्रीय गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की सतत निगरानी में संगठित और प्रभावी ढंग से जारी हैं। सिंधिया ने बताया कि वे लगातार गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के साथ संपर्क में हैं।

बस में चढ़ते समय यात्री के ऊपर फेंका कीचड़... सेकंड में 1.38 लाख से भरा बैग उड़ा ले गए चोर

मुरैना। मुरैना में चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां बस में चढ़ रहे एक यात्री के ऊपर किसी ने पीछे से कीचड़ फेंककर उसका ध्यान भटकाया और कुछ ही सेकंड में 1.38 लाख रुपये से भरा बैग गायब कर दिया।

यह घटना मंगलवार दोपहर मुरैना के बस स्टैंड पर हुई। अजीतपुरा गांव निवासी रामकिशोर उपाध्याय ने राधिका पैलेस स्थित स्क्व्ह बैंक से 1.38 लाख रुपये निकाले थे। यह रकम उन्होंने अपने बैग में रखी और बस स्टैंड की ओर निकल पड़े। दोपहर करीब तीन बजे वह गांव जाने वाली बस में चढ़ ही रहे थे कि अचानक किसी ने पीछे से उनके ऊपर कीचड़ जैसी गंदगी फेंक दी।घटना के बाद रामकिशोर घबरा गए और गुस्से में पीछे मुड़े, लेकिन उन्हें वहां कोई दिखाई नहीं दिया। उन्होंने कीचड़ साफ करने के लिए अपना बैग पास की बस की सीट पर रख दिया। यह सब कुछ मात्र कुछ सेकंड की बात थी। लेकिन जब वह पलटे, तो बैग सीट से गायब था।

रामकिशोर ने तत्काल बस और उसके आस-पास के इलाकों में बैग को तलाशा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। उन्हें यकीन है कि जिस व्यक्ति ने कीचड़ फेंका था, उसी ने चुपचाप उनका बैग भी चुरा लिया।

उन्होंने कोतवाली थाना पहुंचकर इस पूरे मामले की शिकायत की। पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते हुए बस स्टैंड और बैरियर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

चोरी का तरीका बेहद चालाकी भरा था, जिसे डिस्ट्रैक्शन थैफ्ट यानी ध्यान भटकाकर चोरी कहा जाता है।

सावधानी जरूरी-पब्लिक ट्रांसपोर्ट में चढ़ते वक्त अपने सामान पर पूरी नजर रखें।

कोई असामान्य घटना (जैसे कीचड़ गिरना, धक्का लगना) हो, तो सतर्क रहें।

ऐसी घटनाओं में तुरंत आस-पास के लोगों की मदद लें और पुलिस को सूचित करें

कोतवाली थाने में रुपये चोरी होने की शिकायत लेकर पहुंचे रामकिशोर उपाध्याय।

MP के ग्वालियर में बारिश ने किया बुरा हाल... जलजमाव-ट्रैफिक ने बढ़ाई परेशानी, मौसम विभाग का अलर्ट जारी

ग्वालियर। ग्वालियर में मंगलवार को हुई लगातार बारिश ने शहर की तस्वीर ही बदल दी। सावन की झड़ी ने राहत से ज्यादा मुसीबत खड़ी कर दी। कई इलाकों में जलजमाव, ट्रैफिक जाम और घरों में पानी भरने की घटनाएं सामने आईं, जिससे लोगों का जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया।

बारिश की वजह से निचले इलाकों में पानी भर गया और कई सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। दीनदयाल नगर, आनंद नगर, आदित्यपुरम, ट्रांसपोर्ट नगर, नेहरू कॉलोनी, स्टेशन बजरिया, बाल भवन, फूलबाग और पड़ाव तिराहा जैसे क्षेत्रों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया। नये पड़ाव आरओबी, सिंधिया कन्या विद्यालय रोड, मोती तबेला मार्ग, जागृति नगर, कुंदन नगर और पंत नगर जैसे क्षेत्रों में भी जलभराव से लोग घंटों जाम में फंसे रहे। पाटौर गिरने से टला बड़ा हादसा

मुरार के नदी पार टाल क्षेत्र में ओमप्रकाश कुशवाह की जर्जर पाटौर बारिश की वजह से ढह गई। सौभाग्य से उस वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। हालांकि घरेलू सामान को काफी नुकसान पहुंचा।

तिघरा बांध के सातों गेट खोले गए बारिश का असर तिघरा जलाशय पर भी पड़ा। दोपहर 3 बजे बांध का जलस्तर 739.20 फीट तक पहुंच गया, जो खतरे की सीमा है। ऐसे में सभी सातों गेट खोल दिए गए ताकि अतिरिक्त पानी की निकासी की जा सके। अलर्ट जारी करते हुए डाउनस्ट्रीम के गांवों को सतर्क रहने को कहा गया है।

मौसम विभाग का अलर्ट-भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम मध्यप्रदेश और पूर्वी राजस्थान में बने लो प्रेशर एरिया और पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश में भारी वर्षा का दौर जारी रहेगा। ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में अगले 24 घंटे में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी है। इसके लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

संभाग की दुरुस्त जनपदों में जरूरतमंदों के उपचार के लिये अगस्त माह से प्रारंभ होंगे स्वास्थ्य शिविर

इस बार एलोपैथी के साथ आयुष और होम्योपैथी के विशेषज्ञ डॉक्टर भी करेंगे इलाज

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आगामी माह अगस्त से नवम्बर 2025 तक दूरस्थ व पिछड़ी जनपद क्षेत्रों में होने वाले स्वास्थ्य शिविरों को लेकर आज संभागायुक्त कार्यालय में गूगल मीट लिंक के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कलेक्टर्स और सीएमएचओ को निर्देशित करते हुए कहा कि शिविरों से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करें और डीपीएम, बीपीएम और आशा कार्यकर्ताओं के लिये जिला स्तरीय और विकासखण्ड स्तरीय प्रशि?क्षण आयोजित कर तैयार किये गये प्रारूपों के संबंध में आवश्यक रूप से तैयार करें। इसके अलावा उन्होंने जिला कलेक्टर्स से कहा कि स्थानीय स्तर पर अन्य विभागों को शामिल करने के साथ ही आयोजन स्थल पर आवश्यक तैयारियों में ग्रामीणों, पंचायत सचिवों का विशेष रूप से सहयोग लें। इन शिविरों में ऐसे ग्रामीणों को लाया जाये जो अत्यंत जरूरतमंद है, जिनकी जाँच के लिये आशा कार्यकर्ताओं को पूर्व से ही तैयारी के लिये निर्देशित करें।

इन शिविरों में शत-प्रतिशत सिकलसेल एनीमिया की जाँच सुनिश्चित करने के साथ ही प्रमाण पत्र और पेंशन स्वीकृति के प्रकरण भी तत्काल तैयार किये जा सकें, इसके लिये प्रशिक्षण में विशेष तौर पर बताया जाये। बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. शॉजी जोसफ, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी, एमजीएम कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, कीट विज्ञानी डॉ. सी.एस. शर्मा, आयुष विभाग की संयुक्त संचालक डॉ. मीना भायल, सेम्स के प्रबंधक श्री राजीव सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी अगस्त से लेकर नवम्बर तक संभाग के सभी जिलों बुरहानपुर, खण्डवा, अलीराजपुर, धार, झाबुआ, बड़वानी, खरगौन और इंदौर में अगस्त के द्वितीय पखवाड़े से 30 नवम्बर 2025 तक 30 से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी जुटाना और उन्हें चिन्हित कर उनका समुचित इलाज करना है।

इंदौर पहुचेगी देश की पहले अद्भुत सीताराम डाक कावड़

इंदौर। देश की अनोखी और एकमात्र सबसे ज्यादा लंबी दूरी कम समय में तय करने वाली सीताराम सुपरफास्ट डाक कावड़ का विधि विधान से संत महात्माओं की उपस्थिति में पूजन पश्चात नॉनस्टॉप जर्नी शुरू हुई। अयोध्या के सरयू तट पर 3 घंटे से ज्यादा पूजन आचन विद्वानों और संत महात्माओं के सानिध्य में चला, सबसे पहले डाक कावड़ को महामंडलेश्वर राम जी बाबा ने उठाया और दौड़ लगाई इसके बाद बारी-बारी से भक्ति डाक कावड़ को लेकर दौड़ते हुए इंदौर के लिए रवाना हो गए हैं।

अरण्य धाम संत आश्रम से देश की पहली और एकमात्र 1100 किलोमीटर का सफर दौड़ते हुए तय करने वाली सीताराम डाक कावड़ की शुरुआत आज विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद भगवान श्री राम के जन्मस्थली अयोध्या से हो गई है। सीताराम भक्त मंडल के कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि अपनी तरह की अनोखी डाक कावड़ का यह 11 वर्ष है, इस बार अयोध्या से इंदौर 1100 किलोमीटर का सफर 3 दिन में तय करने का प्रयोजन रखा गया है, इसी संकल्प के साथ सीताराम भक्त मंडल के 200 श्रद्धालु, 50 संत महात्माओं के साथ अयोध्या से मंगलवार को रवाना हो गए हैं। यह श्रद्धालु लखनऊ, कानपुर, कालपी, झांसी शिवपुरी गुना शाजापुर मक्सी देवास होते हुए 1 अगस्त को इंदौर पहुंचेगी।

वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों से बचाव के लिये स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी

इंदौर। वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध जल का उपयोग करने एवं जलजनित रोगों से सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है। दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। एडवाइजरी में कहा गया है कि रोगों से बचने के लिए सावधानियाँ और सुरक्षा उपाय अपनाकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित करें।

स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी में कहा है कि खानपान के लिए सदैव स्वच्छ एवं सुरक्षित उबला अथवा फिल्टर जल का ही प्रयोग करें। यदि पानी की शुद्धता संदिग्ध हो, तो उसे पहले उबालें, साफ कपड़े से छानें अथवा क्लोरीन की गोली डालें और कम से कम एक घंटे के बाद उसका सेवन करें। खाना बनाने, परोसने और खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोना अत्यंत आवश्यक है। यह सरल आदत कई रोगों से बचाव में सहायक होती है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि सदैव ताजा पका हुआ भोजन एवं स्वच्छ खाद्य वस्तुओं का ही सेवन करें। अधिक समय पहले बना हुआ रात्रि बासी भोजन न खाएं।

स्वच्छता के साथ ही इंदौर को सड़क सुरक्षा और यातायात सुधार के क्षेत्र में भी देश में बनाया जाये अव्वल

इंदौर। सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे ने कहा कि इंदौर को स्वच्छता के साथ ही सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार के क्षेत्र में भी देश में अव्वल बनाया जाये। इंदौर में वह सभी क्षमताएं मौजूद हैं, जो यह कर दिखाने के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि इंदौर को सड़क सुरक्षा एवं यातायात सुधार के क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिये जिला प्रशासन, पुलिस, नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी पूरी पूर्ण गंभीरता, लगन एवं समर्पण भाव से जुट जाए। समयबद्ध कार्ययोजना/रणनीति तैयार कर आगामी 6 माह में सकारात्मक बदलाव और परिणाम लाएं। इंदौर को सड़क सुरक्षा और यातायात सुधार के क्षेत्र में अव्वल बनाने के लिये सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा संबंधी समिति पूरा सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इंदौर को अव्वल बनाने के लिये सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पालन कराना जरूरी है। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की मृत्यु पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि मृत्यु की संख्या कम करने के लिये समन्वित प्रयास सुनिश्चित किये जाये। उन्होंने कहा कि जरूरी है कि इंदौर में हेलमेट पहनने की आदत को बढ़ावा दिया जाये। सीट बेल्ट लगाने के संबंध में जागरूकता लाई जाये। शराब पी कर वाहन चलाने वालों तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाये।

सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे ने किया ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण

इंदौर। सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे ने आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान अधिकारियों की बैठक के पश्चात शहर के चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स का निरीक्षण किया। उन्होंने ब्लैक स्पॉट्स पर चल रहे सुधार के कार्यों और ब्लैक स्पॉट्स को समाप्त करने के कार्यों को देखा तथा चल रहे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने बायपास पर निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिजों के निर्माण को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को तुरंत भरने और अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिये।

न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने अपने भ्रमण की शुरूआत तेजाजी नगर ब्लैक स्पॉट्स से की। यहां उन्होंने दुर्घटनाओं, मृतकों की संख्या, दुर्घटनाओं के कारण आदि की जानकारी ली। उन्होंने यहां अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यहां ब्लैक स्पॉट समाप्त करने के कार्य तेज गति से पूरे किये जाये। इसके पश्चात वे रालामण्डल, बेस्ट प्राइज के सामने बन रहे ओव्हर ब्रिज के समीप ब्लैक स्पॉट के निरीक्षण के लिये पहुंचे। उन्होंने उक्त दोनों ब्रिजों के निर्माण को गति के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये।

उन्होंने सर्विस रोड के सुधार के लिये निर्देशित किया। उन्होंने सड़कों की तुरंत मरम्मत, सड़कों के निर्माण में समय सीमा और गुणवत्ता का ध्यान रखने आदि के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत गुणवत्तापूर्ण हो, यह सुनिश्चित किया जाये।

आकाशीय बिजली की दुर्घटनाओं से बचाव के लिये स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

इंदौर। आकाशीय बिजली यानि वज्रपात से बचाव के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जन समुदाय के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों को अपनाकर आकाशीय बिजली से सुरक्षा और बचाव किया जा सकता है। आकाशीय बिजली या वज्रपात से आउटडोर यथा बाहरी गतिविधियों में शामिल लोग जैसे खेतों, औद्योगिक स्थानों, निर्माण और सामग्री हैंडलिंग वाले स्थलों पर काम करने वाले लोग सर्वाधिक संवेदनशील होते हैं। आकाशीय बिजली किसी भी समय गिर सकती है वर्षाकाल मानसून जुलाई में अधिक होती है। दोपहर और सायंकाल के बीच वज्रपात की घटनाएं सर्वाधिक देखी जाती हैं।

जारी निर्देश में कहा गया है कि ऊंची नुकीली संरचनाओं, पेड़ों पर आकाशीय बिजली गिरने की अधिक संभावना होती है। ऐसे स्थानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। धातु का मचान, धातु के उपकरण, पानी के पाइप या प्लम्बिंग, बिजली का संचालन करने वाली सामग्री अथवा सतहों के संपर्क से बचें। ऊंची अधोसंरचनाएं, पहाड़ी टेकरी, बिजली के खंभे, टेलीफोन के खंभे, ऊंचा पेड़, छत, मचान, धातु की सीढ़ी, बड़े मशीन जैसे बुलडोजर, क्रेन जैसे वाहनों से दूर रहें। विस्फोट संभावित क्षेत्रों तथा उद्योग स्थलों से तत्काल सुरक्षित स्थल की ओर प्रस्थान करें।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिन:
भोपाल, इंदौर, उज्जैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

दैनिक हिन्दकुश

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

महाकालेश्वर सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत 11वीं संध्या में इंदौर के कलाकारों द्वारा चतुरंग वाद्य वादन एवं उज्जैन की त्रिनेत्र सांस्कृतिक संस्थान द्वारा समूह कथक की प्रस्तुति हुई

उज्जैन । श्री महाकाल महालोक में श्रावण-भादौ मास में प्रतिदिन सायं 06 से 08 बजे तक आयोजित होने वाली श्री महाकालेश्वर सांस्कृतिक संध्या के 11 वें दिवस की प्रस्तुति में प्रथम प्रस्तुति चतुरंग वादन की हुई जिसमें श्री वसंत शर्मा, इंदौर (सरोद वादन), श्री मनोज बावरा (सितार वादन), श्री विठ्ठल कुमार राजपुरा शाजापुर (पखावज), श्री यशपाल बावरा (तबला) द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई उसके पश्चात निदेशिका सुश्री मयुरी सक्सेना उज्जैन के निर्देशन में त्रिनेत्र सांस्कृतिक संस्थान की नृत्यांगनाओं द्वारा समूह कथक की प्रस्तुतियाँ दी गई।

प्रथम प्रस्तुति में श्री वसंत शर्मा, इंदौर (सरोद वादन), मनोज बावरा (सितार वादन), विठ्ठल कुमार राजपुरा शाजापुर (पखावज), यशपाल बावरा (तबला) ने अपनी प्रस्तुति का प्रारंभ राग बिहाग में आलाप, जोड, विलम्बित तीनताल की बंदिस से किया इसके पश्चात कुल लयकारिया, छंद और ताने बजाई व सवाल-जवाब पेश कर जुगलबंदी प्रस्तुत की। इसके पश्चात दुत लय तीनताल में प्रस्तुति के बाद झाला बजाकर राग का समापन किया गया। प्रस्तुति के अंत में भजनों की प्रस्तुति दी गई।

श्री महाकालेश्वर सांस्कृतिक संध्या के 11 वीं दिवस की द्वितीय प्रस्तुति में त्रिनेत्र सांस्कृतिक संस्थान की निदेशिका सुश्री मयुरी सक्सेना के निर्देशन में सर्वप्रथम गणेश वंदना प्रथम सुमिर श्री गणेश............ की प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात शुद्ध कथक में झपताल के साथ एक शिव वंदना शंकर अंति प्रचण्ड......... और भावपक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति को आगे बढाते हुए महाकवि कालिदास द्वारा रचित श्लोक रामायण पर प्रस्तुति, गत निकास के साथ रामायण की चैपाईयों पर आधारित भाव पक्ष प्रस्तुत किया। प्रस्तुति का समापन अभिनेता श्री आशुतोष राणा द्वारा रचित हिन्दी शिव तांडव के साथ भगवान महाकाल जी की आरती के साथ किया गया। सुश्री मयूरी सक्सेना के साथ इनकी शिष्याएं जयती ताम्रकार, सुश्री सिद्धि गुप्ता, नंदनी वधावन, श्रृष्टि शर्मा, सुश्री आर्या जोशी, स्नेहा धारवे प्रस्तुति देगी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि श्री माखनसिंह जी चैहान, संगठन महामंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय सिंहस्थ समिति अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया।

नागपंचमी पर्व 2025 में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति को लड्डू प्रसाद से 41 लाख से अधिक आय प्राप्त हुई

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंदिर के ऊपरी तल पर स्थित वर्ष में एक बार खुलने वाले भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के 29 जुलाई 2025 को खुले।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर श्री प्रथम कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि, नागपंचमी पर्व 2025 पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा भक्तों को उपलब्ध कराये जाने वाले लड्डू प्रसाद से रुपये 41,28,000/-(इकतालीस लाख अठाइस हज़ार) की आय हुई है। नागपंचमी पर्व पर कुल 87.335 कुन्तल लड्डू का विक्रय हुवा।

ज्ञात हो कि, मंदिर प्रबन्ध समिति द्वारा नागपंचमी पर्व पर कुल 10 अस्थायी लड्डू काउंटर लगाए गए। जिनका संचालन 28 जुलाई 2025 की रात्रि 12 बजे से 29 जुलाई 2025 की रात्रि 12 बजे तक किया गया ।

काउंटर क्रमशः नृसिंह घाट तिराहा पर 08, भीलसमाज पर 01 और कर्कराज राज पार्किंग पर 01 स्थापित किये गए थे।

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा दर्शनार्थियों के लिए सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। श्री महाकालेश्वर मंदिर दर्शन व अन्य जानकारी एवं शिकायत के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर की वेबसाईट www.shrimahakaleshwar.com के साथ मंदिर के टोल फ्री नम्बर 18002331008 पर संपर्क कर सकते हैं।

क्षितिज साहित्य संस्था द्वारा वर्ष 2025 के सम्मान घोषित

उज्जैन। वर्ष 1983 से लघुकथा विधा के संवर्धन के लिए कार्यरत साहित्यिक संस्था क्षितिज साहित्य संस्था, इंदौर के द्वारा वर्ष 2025 के लिए सम्मान घोषित कर दिए गए हैं। संस्था अध्यक्ष सतीश राठी ने बताया कि इस वर्ष उज्जैन के वरिष्ठ लघुकथाकार संतोष सुपेकर को क्षितिज लघुकथा शिखर सम्मान प्रदान किया जाएगा।

डॉ. ध्रुवकुमार (पटना) को क्षितिज लघुकथा समालोचना सम्मान 2025, श्री राममूरत राही', (इंदौर) को प्रदेश स्तरीय क्षितिज लघुकथा समग्र सम्मान 2025, डॉ. दीपा मनीष व्यास, (इंदौर) को क्षितिज लघुकथा नवलेखन सम्मान 2025, 2 नवम्बर 2025 को श्री मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति होने वाले वार्षिक कार्यक्रम में प्रदान किए जाएंगे।

भगवान् श्री महाकालेश्वर जी को भक्त ने अर्पित किये सुंदर, नक्काशीदार रजत निर्मित नाग - देवता

उज्जैन। मान्यता है कि भगवान शिव आभूषण स्वरूप अपने कंठ में नाग देवता धारण करते हैं व उनके कंठ में वासुकी नाग सुशोभित रहता है. श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालु, भक्तगण अनेक अवसरों पर अपनी श्रद्धानुसार अनेक सामग्री मन्दिर में अर्पित करते हैं जिनमें रजत बेलपत्र, त्रिशूल, डमरू, घर, नंदीजी, रुद्राक्ष की माला अन्य आभूषण आदि रहते हैं। इसी क्रम में मन्दिर पहुंचे श्रद्धालु ने बताया कि वे भगवान श्री महाकाल की भस्म - आरती में सम्मिलित हुए व तब से अपने जीवन में एक सकारात्मक परिवर्तन अनुभव कर रहे हैं जिसके पश्चात उन्हें स्व - प्रेरणा हुई कि वे एक रजत के सुन्दर नाग देवता भगवान को अर्पित करें. इस प्रेरणा से उन्होंने भगवान श्री महाकाल के मन्दिर में सुन्दर रजत निर्मित नाग देवता भेंट किए। मन्दिर के सहा. प्रशा. अधिकारी आर . के. तिवारी ने दानदाता के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाकाल की नगरी में नियमों को दरकिनार कर दौड़ रहे ऑटो, ईरिक्शा व मैजिक चालकों के लिए ड्रेस कोड व नेमप्लेट अनिवार्य हो ताकि अप्रत्याशित घटनाओं पर रोक लग सके

उज्जैन। स्वस्थ तन-मन योगा क्लब के अध्यक्ष डॉ. राजेश ठाकुर निर्झर एवं सचिव श्रीमती ज्योति पटेल ने बताया कि भारत वर्ष की पौराणिक नगरी भूतभावन बाबा महाकाल की पावन नगरी में जबसे महाकाल कोरिडोर का निर्माण हुआ है, बाबा के श्रीचरणों में देश-विदेश से प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालुगणों का सतत् आवागमन बना रहता है। ऐसे में अधिकांश बाहरी भक्त श्रद्धालुगण दर्शन व्यवस्था हेतु नगर भ्रमण हेतु ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा व मैजिक जैसे वाहनों में सफर करते हैं। वैसे परिवहन विभाग द्वारा ड्रेस कोड, नेमप्लेट व किराया सूची राशि का पालन करना है किन्तु इन नियमों को ताक पर रखते हुए ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा व मैजिक चालक स्वच्छन्द विचरण कर रहे हैं। अधिकतर बिना नेमप्लेट, ड्रेस व मनमाने किराए के साथ तेज रफ्तार से वाहन दौड़ा रहे हैं। विगत कुछ माह पूर्व भी इन्हीं लापरवाही के चलते महिलाएँ प्रताड़ना का शिकार बनी। कई बार अनेक मामले पुलिस थाने तक पहुँचे। वृद्ध यात्री व दिव्यांगों से सहृदयता व सदव्यवहार की आर.टी.ओ. की हिदायत को भी घोलकर पीया जा रहा है। इससे विश्व प्रसिद्ध पावन नगरी व प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री की गृह नगरी के गौरव पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। आपने नगर आर.टी.ओ. व प्रदेश के परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर शीघ्र इस समस्या का निराकरण किए जाने की माँग की है।

उज्जैन आए युगपुरुष स्वामी परमानंद ने कहा अखंड आश्रम ट्रस्ट को लेकर कोई विवाद नहीं चल रहा

अभी तक जो भी आरोप लगाए गए उन सब का खंडन किया

उज्जैन। युगपुरुष स्वामी श्री परमानंद जी महाराज ने मंगलवार को उज्जैन प्रवास के दौरान कहा कि अखंड आश्रम ट्रस्ट चारधाम को लेकर किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं है। उन्होंने आश्रम, मंदिर व ट्रस्ट को लेकर अब तक लगे सारे आरोप-प्रत्यारोपों का खंडन किया है। स्वामी परमानंद जी ने यह भी स्पष्ट करते हुए कहा कि ट्रस्ट आदि का संचालन महामंडलेश्वर स्वामी श्री शांतिस्वरूपानंद जी महाराज के द्वारा ही किया जाएगा।

आपको बता दे कि सोशल मीडिया के जरिए व समाचार पत्रों के जरिए पिछले काफी समय से अखंड आश्रम ट्रस्ट चारधाम को लेकर विवाद होने, भ्रष्टाचार होने आदि कई विषयों को लेकर बातें सामने आ रही थी। जिसे लेकर चारधाम मंदिर चर्चाओं में था। लेकिन ट्रस्ट के संस्थापक युगपुरुष स्वामी श्री परमानंद जी महाराज ने इन सारी बातों का खंडन करते हुए कहा कि ट्रस्ट में न पहले कोई विवाद था न वर्तमान में कोई बात है। इस अवसर पर चाराधाम मंदिर व ट्रस्ट से जुड़े अशोक प्रजापत, सुरेश आहुजा व पंडित रामलखन शर्मा भी मौजूद थे। सभी ने स्वामी परमानंद जी का स्वागत किया। यह जरूर है कि ट्रस्ट में कुछ नए सदस्य व पदाधिकारी बनाए गए है। समय के साथ इसकी आवश्यकता थी इसलिए नियम अनुसार यह बदलाव किया है। महामंडलेश्वर स्वामी श्री ज्योर्तिमयानंद जी महाराज को ट्रस्ट का नया सचिव बनाया गया है। उन्होंने ट्रस्ट को लेकर कोर्ट में भी किसी प्रकार के विवाद चलने का खंडन किया है। महामंडलेश्वर स्वामी श्री शांतिस्वरूपानंद जी महाराज पर ट्रस्ट में भ्रष्टाचार किए जाने को लेकर लगे आरोपों को भी युगपुरुष स्वामी परमानंद जी महाराज ने सिरे से नकारते हुए कहा कि यह सब झूठी बात है। लोग अनावश्यक ही इसका गलत प्रचार-प्रसार कर रहे हैं।

इंजीनियरिंग कॉलेज में 1 अगस्त को 100 वां संवाद भौतिक रूप से होगा

उज्जैन। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज उज्जैन में 1 अगस्त को प्रात~10 बजे से 100 वां संवाद भौतिक रूप से होने जा रहा है। कोरोना के चलते व अन्य कारणों से इसके पहले के 99 संवाद ऑनलाइन ही आयोजित हुए थे। 100 वें संवाद में मुंबई से ब्रांडिंग गुरु पुनीत भटनागर विशेष रूप से शामिल होने आ रहे हैं। इसके अलावा कॉलेज के पूर्व व वर्तमान विद्यार्थी इसमें हिस्सा लेंगे। स्पीक मैके के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उज्जैन के पंकज अग्रवाल ने बताया कि यह आयोजन एक ऐसी प्रेरक श्रृंखला का उत्सव है जो सब को जोड़ता है। प्रेरित करता है और परिवर्तन लाता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com